



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-04-2025

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-04-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-04-23	2025-04-24	2025-04-25	2025-04-26	2025-04-27
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	42.0	44.0	44.0	44.0	43.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	25.0	25.0	26.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	34	32	37	41	45
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	21	20	21	22	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	11	7	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	306	291	288	297	261
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	4
चेतावनी	लू	लू	लू	लू	लू

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 43.0-44.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 4-5°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 25.0-27.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 3-4°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 18-31 तथा 6-7% के मध्य है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 4.0-11.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा हवा के झोंके सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ रहने के कारण भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्मी की लहर बचाव हेतु खेतों में खड़ी परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य प्रातः काल /सायंकाल के समय करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7 -10 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। भीषण गर्मी को देखते हुए किसान भाई खेत में कार्य समय थोड़ी -थोड़ी देर में पानी पीते रहे। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही निकले।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी सब्जियों एवं फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधें एवं पानी की बोतल अवश्य साथ में रखें। मड़ाई की हुई फसलों के दानों को सुरक्षित स्थान रखें। भीषण गर्मी को देखते हुए पशुओं को दिन में 3-4 बार पानी पिलायें और सुबह-शाम नहलायें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग-अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करें, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ों को धोकर नहा लेना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी सब्जियों एवं फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। लू से बचाव हेतु दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की परिपक्व फसलों की कटाई कर मड़ाई का कार्य करें। गेहूँ के फसल की कटाई के पश्चात बण्डल अवश्य बांधें ताकि तेज हवाओं की वजह से लौक उड़ न सके तथा थ्रेशिंग का कार्य सायंकाल व रात्रि के समय हवा शांत होने पर करें।
मक्का	मक्का की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें साथ ही आवश्यकतानुसार 12-15 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाए रखें। मक्का की फसल में तना छेदक कीट की रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी 200 ग्राम प्रति एकड़ अथवा क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5% एससी 60 मिली प्रति एकड़ की दर से 500-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	जायद उर्द / मूँग की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें तथा आवश्यकतानुसार 10-12 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाए रखें। उर्द की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाईमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	प्याज की खुदाई का सबसे अच्छा समय 50 % पत्तियाँ गिरने के एक सप्ताह बाद करें। प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है, अतः इसके रोकथाम हेतु मिथाइल -ओ -डिमेटान 25% ई.सी. 1.5 लीटर /हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में रोपी गई सब्जियों टमाटर, बैंगन एवं मिर्च की फसलों में निराई -गुड़ाई कर सिंचाई का कार्य करें। ग्रीष्मकालीन में बोई गई कद्दू, लौकी, तरोई, करैला, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा आदि की तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजें।
आम	आम, अमरूद, नींबू, बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफ्थलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात्रि के समय खुले स्थान पर बांधें। पशुओं को दिन के समय छाये दार स्थान पर या पेड़ की छाया में बांधें। पशुओं को हरा चारा तथा आसानी से पचने वाला खनिज मिश्रण और नमक खिलायें। पशुओं को स्वच्छ साफ एवं ठण्डा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के मध्य चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे भीषण गर्मी को देखते हुए मुर्गी हाउस में जुट के पर्दे लगायें एवं दोपहर के वक्त ठण्डे पानी से पर्दों को भिगो दें, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गी हाउस का तापमान कम करने के लिए शेड की छत को पुवाल से ढक दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ रहने के कारण भीषण गर्मी पड़ने की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्मी की लहर बचाव हेतु खेतों में खड़ी परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य प्रातः काल/सायंकाल के समय करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-10 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें। भीषण गर्मी को देखते हुए किसान भाई खेत में कार्य समय थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकलें यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही निकलें।

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>